

MONTHLY REPORT



JULY 2023

VALUE

Total Ad. value generated in the month of July 2023 was approximately INR 13 Lakh and above, which translates to approximate PR value of INR 65 Lakh.

INDEX

S. No.	Publication	News Link
1	Mayapuri Print	<u>In concersation with popular spiritual guide Jaya Kishori and renowned AiR Atman in Ravi</u>
2	Businessworld	https://bwwellbeingworld.businessworld.in/article/The-Spiritual-Path-And-Personal-Growth-/03-07-2023-482685
3	Hans India Online	https://www.thehansindia.com/featured/sunday-hans/the-journey-of-self-discovery-808053
4	The Hans India Print	<u>The Journey of Self Discovery</u>
5	Deccan Chronicle	https://www.deccanchronicle.com/entertainment/bollywood/120723/jaya-kishori-and-air-discuss-life-as-a-movie-and-maya.html
6	Radio Mirch	https://mirchi.in/stories/lifestyle/the-spiritual-path-of-personal-growth-and-integrating-wisdom-into-everyday-life/101759382
7	Businessworld	https://bwwellbeingworld.businessworld.in/article/How-Spirituality-Contributes-To-A-Sense-Of-Purpose-And-Fulfilment/14-07-2023-484197

INDEX

8	Businessworld	https://bwwellbeingworld.businessworld.in/article/Practical-Strategies-For-Incorporating-Spirituality-Into-Daily-Routines/14-07-2023-484202
9	Pioneer	https://pynr.in/we-should-learn-from-actors-feels-jaya-kishori/
10	Mayapuri Online	https://mayapuri.com/hi/latest-news/in-conversation-with-popular-spiritual-guide-jaya-kishori-and-renowned-air-atman-in-ravi
11	India.com	https://www.india.com/hindi-news/entertainment-hindi/jaya-kishori-said-we-need-to-learn-from-actors-and-films-know-what-are-those-important-things-6180330/
12	Bollyy.com	https://bollyy.com/we-should-learn-from-actors-feels-jaya-kishori-in-conversation-with-air-atman-in-ravi/
13	Radio Mirchi	https://mirchi.in/stories/lifestyle/heres-what-we-should-learn-from-actors-and-movies-as-per-two-spiritual-icons/102021499

खबरें ही खबरें

मायापुरी
www.mayapuri.com



लोकप्रिय आध्यात्मिक मार्गदर्शक जया किशोरी और सुप्रसिद्ध AiR आत्मन इन रवी के साथ बातचीत

—सुलेना मजुमदार अरोरा

एक्टरों से सीखना चाहिए, ऐसा महसूस करती हैं जया किशोरी। कई हफ्ते पहले, बॉलीवुड की ग्लैम आइकन और बॉलीवुड दीवा मलाइका अरोड़ा ने अपने आदर्श स्प्रिरिचुअल गुरु ए आई आर आत्मन इन रवी के साथ पॉडकास्ट के दौरान अपना 'सबसे बड़ा पाप' की जानकारी साझा कर आश्चर्य व्यक्तित रह गईं। उन्हें यह बताया गया था कि उनका सबसे बड़ा पाप यह है कि वह खुद को राजकुमारी समझती हैं जबकि उन्हें स्वयं को देवी कहना चाहिए। उनके इस कथन से मलाइका को अपनी जीवन में क्या कमी है, यह महसूस हुआ। यह बातचीत दोनों के बीच काफी बेर तक और विस्तार से चर्चा हुई थी कि कैसे टिंसल टाउन की चमक और ग्लैमर के बीच सच्ची खुशी को खोजा जाए। अब फिर से एक बार माया का ऐडिटिव तथा एक्ट्रेस और फिल्मों का विषय एडर फिर AIR के सबसे हासिलीय पॉडकास्ट में आया, जिसमें प्रसिद्ध आध्यात्मिक मार्गदर्शक जया किशोरी थीं। अब कोई यह सोच सकता है कि दो आध्यात्मिक और आदर्श कलाकारों द्वारा फिल्मों पर क्यों चर्चा हुई? इस विषय पर बातचीत के दौरान जया किशोरी ने अपना खा पेश करते हुए कहा, हमारे जीवन को एक फिल्म के साथ

चुलना करना चाहिए। जहाँ हम सभी एक पात्र हैं और हमें यह अच्छे से निमाना है। AIR आत्मन इन रवी ने इस संदर्भ में मान्यता दी कि यह दुनिया एक मंच है जहाँ हम सभी अभिनेता हैं। जया किशोरी ने जीवन में और फिल्मों में समानताएँ को लेकर दिलचस्पी से बातचीत की और कहा, जब आप एक फिल्म में एक दुखद सीन देखते हैं, तो आप उदासी महसूस करते हैं, एक खुशी वाले सीन देखते हैं तो आप खुश हो जाते हैं और जब आप एक मजेदार सीन देखते हैं, तो आप हँसते हैं। लेकिन हम सभी जानते हैं कि यह सिर्फ एक फिल्म है और सब कुछ अस्थायी है, इसलिए इस भावनात्मक स्थिति की स्थिरता हमेशा नहीं रह सकती। जीवन को एक फिल्म के रूप में जानना महत्वपूर्ण है। हम एक अभिनय करने वाले की तरह विभिन्न भावनाएँ अनुभव करते हैं, हँसते हैं, रोते हैं, और उस पल को जीते हैं। इसके अलावा, उन्होंने कहा, इस मंच पर विभिन्न कलाकारों को विभिन्न भूमिका निभाने के लिए नियंत्रित किया गया है। लेकिन व्यान दें कि जो कुछ हो रहा है, वह कल्पना है और यह वास्तविकता नहीं है। फिल्म के समाप्त होने के बाद, हम अपने घर में वापस जाना

पड़ेगा, जो स्वर्ग में है। यद्यपि यह अस्तित्व माया के रूप में एक मिथ्य है, लेकिन हमें उसे उत्कृष्टता के साथ खेलना चाहिए ताकि यह एक शानदार सफलता के रूप में मान्य हो सके।

AIR आत्मन इन रवी, ने माया को साक्षात्कारता देते हुए विस्तार से कहा, हम इसके गिरफ्त में कैसे हुए हैं। जया ने उत्तर दिया कि वर्तमान में हम जो कुछ भी कर रहे हैं वही माया है। अंततः हम भी नष्ट हो जाएंगे। हालाँकि, इसका यह मतलब नहीं है कि हम अपने काम को सही ढंग से नहीं करेंगे। हम सभी को अपने काम पर ध्यान केंद्रित करने की जरूरत है, चाहे हम चलते हों, लेखक हों या प्रोड्यूसर हों। क्योंकि हम जीवन को माया के रूप में नहीं पहचानते हैं, इसलिए हम फंस जाते हैं। आप रोबोट बने बिना भी अपनी सभी भूमिकाएँ अच्छी तरह निभा सकते हैं। अस्तित्व होने का मतलब यह नहीं है कि आप ऐसे बेपरवाज न चले जाएँ कि आपको दूसरों का दर्द महसूस न हो। हम पारिवारिक जीवन चुन सकते हैं, हम जीवन जीते रहेंगे, हम अपना काम करते रहेंगे, हमारे रिश्ते होंगे, हमारा अपना परिवार होगा। लेकिन मन में यह जानना आवश्यक है कि यह वास्तविक सत्य नहीं है। अगर आप ऐसा सोच रखेंगे तो आप किसी भी कठिन परिस्थिति का सामना करने पर निराश नहीं हो सकेंगे। जीवन हमारे सामने आने वाली कठिनाइयों का सही समाधान खोजने के लिए है। जया के पास सही समझाना था, 'हम सबको पुष्टि के साथ, ऐसा समझना चाहिए कि जीवन में जो हो रहा है वो सब एक नाटक है, हमारी परीक्षा ली जा रही है। मेरी भूमिका का परीक्षण किया जा रहा है, मेरी अभिनय क्षमताओं का परीक्षण किया जा रहा है हम सभी जीवन के सबसे कठिन दौर से गुजर सकते हैं। इस चर्चा को रवी के आधिकारिक यूट्यूब चैनल पर AIR & Atman पर पूरी बातचीत देख सकते हैं।

Here's what we should learn from actors and movies, as per two spiritual icons

A few weeks ago, it created quite a buzz when glam icon and Bollywood diva Malaika Arora realized her 'biggest sin' during a podcast with revered spiritual mentor AiR-Atman in Ravi. When she was told that her biggest sin was considering herself a princess and that she should call herself a goddess, she understood what was amiss in her life. It was discussed in detail by the two as to how one would hold on to true happiness amidst the glitz and glamour of the tinsel town. The topic of Maya, actors and movies came up once again in the most recent podcast of AiR, featuring popular spiritual guide Jaya Kishori.

Now one might think as to why two spiritual icons would discuss movies? It was during the course of the conversation between the two spiritual icons when Jaya Kishori likened our lives to a movie where we are all playing characters and we need to do that well. AiR couldn't agree more as the spiritual icons termed this world as a stage where we are all but actors.

Jaya Kishori delved deeper into life and spoke about the similarities between our life and movies, "When you see a sad scene in a movie, you feel sad, you feel pleased when you see a happy scene, and you laugh when you see a funny scene. But since we all know it's just a movie and everything is fleeting, that emotional state can't last forever. It's crucial to know that life is a movie. We experience various emotions just like an actor who performs a part,

Mirchi Plus is not just a podcast app, but it also has a 'Read' section where you can get the latest celebrity news and gossip, photo stories, exclusive celebrity interviews, lifestyle tips, DIY hacks, movie reviews, web-series reviews, travel tips, and more. It provides an outreach corresponding to Approximate Media Value of Rs 1.70 Lakh and PR Value of Rs 8.50 Lakh.



लोकप्रिय आध्यात्मिक मार्गदर्शक जया किशोरी और सुप्रसिद्ध AiR आत्मन इन रवी के साथ बातचीत

—सुलेना मजुमदार अरोरा

एक्टर्स से सीखना चाहिए, ऐसा महसूस करती हैं जया किशोरी

कई हफ्ते पहले, बॉलीवुड की ग्लैम आइकन और बॉलीवुड दीवा मलाइका अरोड़ा ने अपने आदर्श स्पिरिचुअल गुरु ए आई आर आत्मन इन रवी के साथ पॉडकास्ट के दौरान अपना 'सबसे बड़ा पाप' की जानकारी पाकर आश्चर्य चकित रह गई। उन्हें यह बताया गया था कि उनका सबसे बड़ा पाप यह है कि वह खुद को राजकुमारी समझती हैं जबकि उन्हें स्वयं को देवी कहना चाहिए। उनके इस कथन से मलाइका को अपनी जीवन में क्या कमी है, यह महसूस हुआ। यह बातचीत दोनों के बीच काफी देर तक और विस्तार से चर्चा हुई थी कि कैसे टिंसल टाउन की चमक और ग्लैमर के बीच सच्ची खुशी को खोजा जाए। अब फिर से एक बार माया का टॉपिक तथा एक्टर्स और फिल्मों का विषय एक बार फिर AiR के सबसे हालिया पॉडकास्ट में आया, जिसमें प्रसिद्ध आध्यात्मिक मार्गदर्शक जया किशोरी थीं।

अब कोई यह सोच सकता है कि दो आध्यात्मिक और आदर्श कलाकारों द्वारा फिल्मों पर क्यों चर्चा हुई? इस विषय पर बातचीत के दौरान जया किशोरी ने अपना पक्ष पेश करते हुए कहा, हमारे जीवन को एक फिल्म के साथ

तुलना करना चाहिए। जहाँ हम सभी एक पात्र हैं और हमें यह अच्छे से निभाना है। AiR आत्मन इन रवी ने इस संदर्भ में मान्यता दी कि यह दुनिया एक मंच है जहाँ हम सभी अभिनेता हैं।

जया किशोरी ने जीवन में और फिल्मों में समानताएँ को लेकर दिलचस्पी से बातचीत की और कहा, जब आप एक फिल्म में एक दुखद सीन देखते हैं, तो आप उदासी महसूस करते हैं, एक खूशी वाले सीन देखते ही आप खुश हो जाते हैं और जब आप एक मजेदार सीन देखते हैं, तो आप हँसते हैं। लेकिन हम सभी जानते हैं कि यह सिर्फ एक फिल्म है और सब कुछ अस्थायी है, इसलिए इस भावनात्मक स्थिति की स्थिरता हमेशा नहीं रह सकती। जीवन को एक फिल्म के रूप में जानना महत्वपूर्ण है। हम एक अभिनय करने वाले की तरह विभिन्न भावनाएँ अनुभव करते हैं, हँसते हैं, रोते हैं, और उस पल को जीते हैं।

इसके अलावा, उन्होंने कहा, इस मंच पर विभिन्न कलाकारों को विभिन्न भूमिका निभाने के लिए तैयार किया गया है। लेकिन ध्यान दें कि जो कुछ हो रहा है, वह कल्पना है और यह वास्तविकता नहीं है। फिल्म के समाप्त होने के बाद, हमें अपने घर में वापस जाना

पड़ेगा, जो स्वर्ग में है। यद्यपि यह अस्तित्व माया के रूप में एक मिथ्या है, लेकिन हमें उसे उत्कृष्टता के साथ खेलना चाहिए ताकि यह एक शानदार सफलता के रूप में मान्य हो सके।

AiR आत्मन इन रवी, ने माया को साक्षात्कारता देते हुए विस्तार से कहा, हम इसके गिरफ्त में फँसे हुए हैं। जया ने उत्तर दिया कि वर्तमान में हम जो कुछ भी कर रहे हैं वही माया है। अंततः हम भी नष्ट हो जाएंगे। हालाँकि, इसका यह मतलब नहीं है कि हम अपने काम को सही ढंग से नहीं करेंगे। हम सभी को अपने काम पर ध्यान केंद्रित करने की जरूरत है, चाहे हम वक्ता हों, लेखक हों या प्रोफेशनल हों। क्योंकि हम जीवन को माया के रूप में नहीं पहचानते हैं, इसलिए हम फँस जाते हैं। आप रोबोट बने बिना भी अपनी सभी भूमिकाएँ अच्छी तरह निभा सकते हैं। अलपल होने का मतलब यह नहीं है कि आप ऐसे वैराग्य में चले जाएँ कि आपको दूसरों का दर्द महसूस न हो। हम पारिवारिक जीवन चुन सकते हैं, हम जीवन जीते रहेंगे, हम अपना काम करते रहेंगे, हमारे रिश्ते होंगे, हमारा अपना परिवार होगा। लेकिन मन में यह जानना आवश्यक है कि यह वास्तविक सत्य नहीं है। अगर आप ऐसा सोच रखेंगे तो आप किसी भी कठिन परिस्थिति का सामना करने पर निराश नहीं हो सकेंगे।

जीवन हमारे सामने आने वाली कठिनाइयों का सही समाधान खोजने के लिए है।

जया के पास सही समाधान था, "हम सबको पुष्टि के साथ, ऐसा समझना चाहिए कि जीवन में जो हो रहा है वो सब एक नाटक है, हमारी परीक्षा ली जा रही है। मेरी भूमिका का परीक्षण किया जा रहा है, मेरी अभिनय क्षमताओं का परीक्षण किया जा रहा है हम सभी जीवन के सबसे कठिन दौर से गुजर सकते हैं।

इस चर्चा को रवी के आधिकारिक यूट्यूब चैनल पर AiR & Atman पर पूरी बातचीत देख सकते हैं।

The Spiritual Path And Personal Growth

Follow

This articles covers methods of integrating wisdom into everyday life



03 July, 2023
by AiR Atman in Ravi...

Print this article

Font size 18

The Journey of Self-Discovery



AiR Atman in Ravi

Hans News Service | 9 July 2023 10:04 AM IST



HIGHLIGHTS

The journey of self-discovery is what spirituality is all about spirituality, which takes us on a voyage, on a quest for the truth. We realise the...

The journey of self-discovery is what spirituality is all about spirituality, which takes us on a voyage, on a quest for the truth. We realise the truth of, 'Who am I?' Once we begin our spiritual quest, we slowly, step by step, through a series of realisations, awaken to the truth of our true self about God, life and this world. Inevitably, self-discovery is about transformation, evolution, spiritual growth, and a metamorphosis, culminating in enlightenment, Moksha, the ultimate goal of human life.

The Journey of Self-Discovery

The journey of self-discovery is what spirituality is all about. Spirituality, which takes us on a voyage, on a quest for the truth. We realise the truth of, 'Who am I?' Once we begin our spiritual quest, we slowly, step by step, through a series of realisations, awaken to the truth of our true self about God, life and this world. Inevitably, self-discovery is about transformation, evolution, spiritual growth, and a metamorphosis, culminating in enlightenment, Moksha, the ultimate goal of human life.

Most of us live in the darkness of ignorance, oblivious to the reality and the truth. We think we are our name. We identify ourselves based on nationality, religion, and profession: I am John. I am an Indian. I am a doctor. But is this who we are? Did we arrive on earth stamped with a name on our forehead? We think we are the body, mind and ego. How can we be the body? We were alive long before the body was formed. The body dies, burnt, destroyed, and everyone says, 'He has departed. He has moved on.' Who has departed, gone, or moved on? Can we be the mind, then? Have you seen the mind? We have seen images or scans or pictures of our lungs, heart, kidneys, hands, and feet, but have we ever seen a picture of our mind? No, it doesn't even exist. The ego is a false iden-



AIR Atman in Ravi

tity. So, who are we? Neti Neti, not this, not this. Tat Twam Asi, that thou art.

Once we embark on a journey of self-discovery, we realise that we are not what we appear to be, who we see in the mirror every day. Not this, we are 'that' the Atman, Soul — A spark of a unique life. This is self-realisation, which paves the way for God-Realization, for complete enlightenment. We realise that we are all a part of the Supreme Immortal Power, SIP, the power that we call God, that the Soul is God and that each of us, everything, is a manifestation of this power.

Self-discovery leads to spiritual growth and enlightenment. We are enlightened with the truth. The darkness of ignorance within us is swept away. Just as we do away with myths, lies and superstitions. As we realise our true self and our inherent Divinity, we transcend the body, mind and ego. Our desires disappear, as do negative and toxic emotions. We live with love, compassion, courage, faith, hope, acceptance and surrender. We no longer seek material

pleasures. We realise that nothing, no one belongs to us. We no longer seek to be a part of the rat race. We start living with detachment realising the transient nature of relationships. Because we realise, we are all one, we are all the Soul; we love everybody. We overcome the triple suffering - the body's pain, the mind's misery and the ego's agony. We start living in a state of Consciousness or thoughtlessness where the intellect shines. We realise that life unfolds as per our Karma. Hence, we rejoice when confronted with challenging circumstances in life. We realise that our Karma is being negated—our paradigm of life changes. We realise that this world is Mithya, an illusion, a drama. And therefore, we don't experience any sorrow, any trauma. The only truth is God, Prabhu Satya. God is not a person or a saint but a Power that is omnipotent, omniscient, and omnipresent. God is birthless and deathless, beginningless and endless. The ultimate purpose of human birth is to become one with God, to be liberated from the Karmic cycle of death and birth. What begins as a journey of self-discovery, 'Who am I?' is actually what the journey of life is about - Enlightenment. Life is not meant for us to accumulate wealth, achievements, and success but to be enlightened and liberated.



Movies, Actors and Maya: Jaya Kishori and AiR Atman in Ravi on Learnings

Deccan Chronicle. | DC Correspondent

Published on: July 12, 2023 | Updated on: July 12, 2023





The spiritual path of personal growth and integrating wisdom into everyday life



Rishika Khanna • Updated: 15 days ago • [Follow](#)

The spiritual path is a route of change, eventually, metamorphosis, as well as a path of self-discovery for personal growth and evolution. It takes us to our ultimate goal of enlightenment, liberation, and moksha. As we grasp the truth on the spiritual journey, we recognise that we are the soul, a spark of unique life and not the body, mind, or ego. We are a part of God, the supreme immortal power and the fact that God is everywhere and in everything, we comprehend.

Hence, the spiritual wisdom we attain from our realisations as we move ahead on the spiritual path changes our paradigm of life. It changes our perspective, our relationships, the way we live and speak and all this is for the best. It leads us to everlasting peace, divine love and eternal happiness.

When we talk about taking the spiritual path, we mean the path that is less travelled. It all begins with a quest, a search for the truth for answers. It is driven by an intense love and yearning for the Divine, the supreme immortal power. We begin by asking, "Who am I?", "Why am I born?", "Who is God?", "Where is God?" and then we investigate our findings and finally, we realize the truth. The spiritual path is beyond religion. Religion is only a kindergarten. It is a spirituality that reveals the truth.


How Spirituality Contributes To A Sense Of Purpose And Fulfilment

 Follow

Spirituality is the science of the spirit, the Atman, the Soul. It helps us to discover who we are, not the body, mind and ego, but the Soul, a Spark Of Unique Life



14 July, 2023
by AiR Atman in Ravi

 Print this article
T Font size 16


Practical Strategies For Incorporating Spirituality Into Daily Routines

 Follow

We realize that we come with nothing and we will take nothing with us when we go, that the world is an illusion, a drama. The only reality is God



14 July, 2023
by AiR Atman in Ravi

 Print this article
TI Font size 16



We should learn from actors, feels Jaya Kishori

By The Pioneer 18/07/2023 0 133

Share



It created quite a buzz a few weeks ago when glam icon and Bollywood diva Malaika Arora realized her 'biggest sin' during a podcast with revered spiritual mentor AiR-Atman in Ravi. When she was told that her biggest sin was considering herself a princess and that she should call herself a goddess, she got a sense of what was amiss in her life.

It was discussed in detail by the two as to how one would hold on to true happiness amidst the glitz and glamour of the tinsel town. The topic of .aya, actors and movies came up once again in the most recent podcast featuring popular spiritual guide Jaya Kishori.

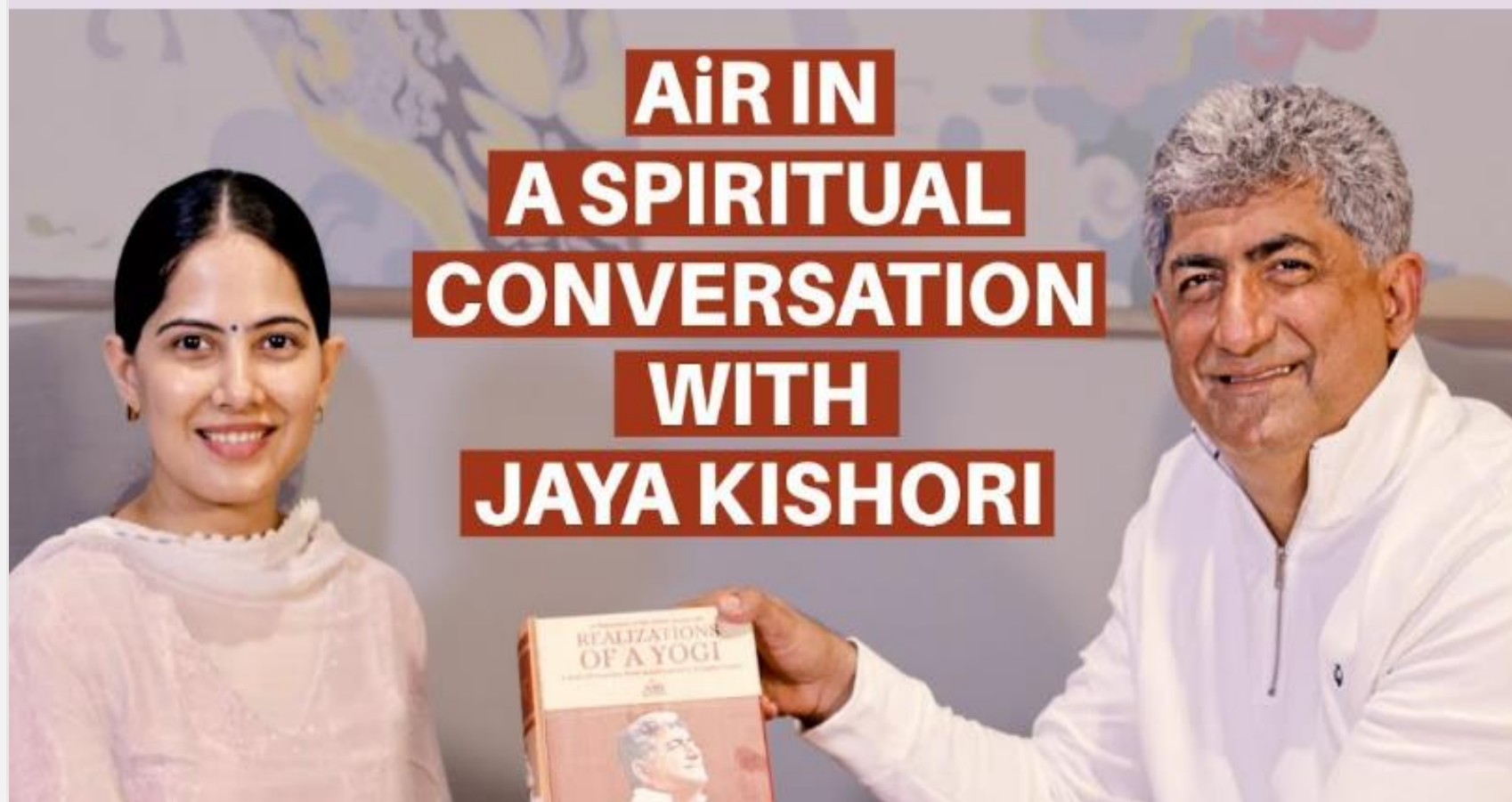
Now one might think as to why two spiritual icons would discuss movies? It was during the course of the conversation between the two spiritual icons when Jaya Kishori likened our lives to a movie where we are all playing characters and we need to do that well. AiR couldn't agree more as the spiritual icons termed this world as a stage where we are all but actors.

Jaya Kishori delved deeper into life and spoke about the similarities between our life and movies, "When you see a sad scene in a movie, you feel sad, you feel pleased when you see a happy scene, and you laugh when you see a funny scene. But since we all know it's just a movie and everything is fleeting, that emotional state can't last forever. It's crucial to know that life is a movie. We experience various emotions just like an actor who performs a part, laughs, cries, and lives that moment."

मायापुरी

लोकप्रिय आध्यात्मिक मार्गदर्शक जया किशोरी और सुप्रसिद्ध AiR आत्मन इन रवी के साथ
बातचीत

Post by [Sulena Majumdar Arora](#) | 20-07-2023 1:27 PM  43



'हमें एक्टर्स और फिल्मों से सीखने की जरूरत', जया किशोरी ने क्यों कहा ऐसा? जानिए क्या है वो बातें

Jaya Kishori : ग्लैमर आइकन और बॉलीवुड दिवा मलाइका अरोड़ा ने पॉडकास्ट में महसूस किया था वो अब तक वो कितना गलत सोच रही थीं.

Updated: July 21, 2023 6:43 PM IST

By India.com Entertainment Desk | Edited by Akarsh Shukla



india.com
Switch to English



We Should Learn From Actors, Feels Jaya Kishori In Conversation With Air-Atman In Ravi

Latest News



July 21, 2023



Sulena Majumdar Arora





Here's what we should learn from actors and movies, as per two spiritual icons

A few weeks ago, it created quite a buzz when glam icon and Bollywood diva Malaika Arora realized her 'biggest sin' during a podcast with revered spiritual mentor AiR-Atman in Ravi. When she was told that her biggest sin was considering herself a princess and that she should call herself a goddess, she understood what was amiss in her life. It was discussed in detail by the two as to how one would hold on to true happiness amidst the glitz and glamour of the tinsel town. The topic of Maya, actors and movies came up once again in the most recent podcast of AiR, featuring popular spiritual guide Jaya Kishori.

Now one might think as to why two spiritual icons would discuss movies? It was during the course of the conversation between the two spiritual icons when Jaya Kishori likened our lives to a movie where we are all playing characters and we need to do that well. AiR couldn't agree more as the spiritual icons termed this world as a stage where we are all but actors.

Jaya Kishori delved deeper into life and spoke about the similarities between our life and movies, "When you see a sad scene in a movie, you feel sad, you feel pleased when you see a happy scene, and you laugh when you see a funny scene. But since we all know it's just a movie and everything is fleeting, that emotional state can't last forever. It's crucial to know that life is a movie. We experience various emotions just like an actor who performs a part,

Thank You